

## टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

संस्कृत पारंगत (एम्.ए.) बहिःस्थ

परीक्षा: जानेवारी - २०२३

सत्र ४ थे

विषय: रघुवंश (19E3409)

दिनांक: १७/०१/२०२३

गुण : ८०

वेळ : दु. २.०० ते ५.००

- सूचना: १) उजवीकडील अंक त्या प्रश्नांचे गुण दर्शवितात. २) सर्व प्रश्न सोडवणे अनिवार्य.
- प्र.१. रघुवंशे 'अलङ्कारविन्यासः' इति विषयं षष्ठं सर्गम् अनुसृत्य सोदाहरणं सुस्पष्टयत। (२०)
- प्र.२. 'दीपशिखाकालिदासः' इति वचनं षष्ठसर्गस्थानि उदाहरणानि उद्धृत्य स्पष्टीकुरुत। (२०)
- अथवा
- सुनन्दाकृतं राज्ञां वर्णनं संक्षेपेण लिखत।
- प्र.३. ससन्दर्भं पञ्चानां वाक्यानां स्पष्टीकरणं लिखत। (३०)
- १) स्रोतोवहा सागरगामिनीव।
  - २) बभूव योगी किल कार्तवीर्यः।
  - ३) नक्षत्रनाथांशुरिवावरिन्दे।
  - ४) मृत्पात्रशेषामकरोद्विभूतिम्।
  - ५) संधाय लङ्काधिपतिः प्रतस्थे।
  - ६) रत्नं समागच्छतु काञ्चनेन।
  - ७) भिन्नरुचिर्हि लोकः।
- प्र.४. रूपपरिचयं लिखत। (१०)
- १) प्रतस्थे
  - २) गुर्वी
  - ३) चकार
  - ४) वृणीष्व
  - ५) प्रशास्ति
  - ६) प्रपेदे
  - ७) अभूत्
  - ८) भाति
  - ९) दधानः
  - १०) भुङ्क्ते